IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

किशोर विद्यार्थियों पर नयी राष्ट्रीय षिक्षा निति 2020 के प्रभाव का अध्ययन

डॉ. मंजु शर्मा
शोध निर्देषिका

पी.एच.डी. शोध पत्र
कविता शर्मा
ज्योति विद्यापिठ महिला
विष्वविद्यालय जयपुर

सारांषः–

''हमें ऐसी षिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो,
मन में शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य
अपने पैर पर खड़ा हो सके ।''

स्वामी विवेकानन्द

जिसे तरह से एक जगह रूका हुआ पानी बदबू मारन` लगता है उसी तरह से एक जैसी पद्धति से पढ़ाई करने पर बच्चों को षिक्षा का लाभ मिलना बंद हो जाता है। यही कारण है कि भारत में समय–समय पर षिक्षा नीतियों को बदला जाता रहा है । प्रस्तावना :– राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020 एक भारत केन्द्रित षिक्षा प्रणाली की कल्पना करती है। जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली षिक्षा प्रदान करके हमारें देष को एक समान और जीवंत ज्ञान समाज मं` बदलन`में योगदान देती है। देष के विकास में वहाँ के किषोर विद्यार्थियों की षिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जिस देष में षिक्षा का स्तर मजबूत होगा वह देष तेजी से तरक्की की दिषा में बढ़ेगा आज ीाी भारत एक विकासषील देष बना हुआ है इसका सबसे बड़ा कारण षिक्षा पर पूर्ण ध्यान ना दने ा है अतः दष ा को विकसित करने तथा छात्रों का सर्वांगीण विकास करने के लिए षिक्षा नीति की आवष्यकता होती है।

भारत सरकार द्वारा 29 जुलाई 2020 को घोषित किया गया सन् 1986 में जारी हुई नई षिक्षा के बासद भारत की षिक्षा नीति मं` पहल नया परिवर्तन है नई षिक्षा नीति को लेकर उत्तम बदलाव किये गये है जिसमें षिक्षा संबंधित बहुत से नियमों में बदलाव किये गये है । छंजपवदंस म्कनबंजपवद चवसपबल के तहत षिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास को जरूरी कर दिया गया है और षिक्षकों के लिये सर्विस ट्रेनिंग का आयोजन भी किया जायेगा जिसमें षिक्षका को ट्रेनिग दी जायेगी ।

- नई षिक्षा नीति 2020 के तहत

भारतीय संविधान के नीति निदेषक तत्वों में कहा गया है 6–14 साल तक के बच्चो को अनिवार्य एवं निःषुल्क षिक्षा की व्यवस्था की जाए। 1948 मं राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विष्वविद्यालय षिक्षा आयोग का गठन हुआ

था तभी राष्ट्रीय षिक्षा नीति का निर्माण शुरू हुआ । राष्ट्रीय षिक्षा नीति 1986 में जो कमिया रह गई उन कमियों में सुधार करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 29जुलाई की घोषणा की । यह नीति अंतरिक्ष वैज्ञानिक के कस्तूरी रगं न की अध्यक्षता वाली समिति पर की रिपोर्ट पर आधारित है।

- नई षिक्षा नीति 2020 के तहत वर्ष 2030 तक सकल नामांकन अनुपात का 100 प्रतिषत लाने का लक्ष्य रखा गया है।
- नई षिक्षा नीति के अन्तर्गत षिक्षा क्षेत्र पर सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिषत के सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य रखा गया है।
- मानव संसाधन प्रंबधन मंत्रालय का नाम परिवर्तित कर षिक्षा मंत्रालय कर दिया गया है।
- पाँचवी कक्षा तक की षिक्षा में मातृभाषा /स्थानीय भाषा को षिक्षा माध्यम के रूप मतें अपनाने पर बल दिया ।
- देष भर के उच्च षिक्षा संस्थानों के लिए भारतीय उच्च षिक्षा परिष दनामक एक सकल नियामाक की परिकल्पना की गई ।
- षिक्षा नीति में यह पहला परिवर्तन बहुत पहले लिया गया था लेकिन 2020 में जारी किया गया । अध्ययन की आवष्यकता

पढ़ो, लिखा है दीवारों पर मेहनत क्रष का नारा पढ़ो, पोस्टर क्या कहता है वो भी दोस्त तुम्हारा पढ़ो, अगर अंध विष्वासों से पाना है छुटकारा पढ़ो किताबे कहती है सारा संसार तुम्हारा । सफदर हाषमी का यह मषहूर गीन केवल जीवन में षिक्षा की गुणवत्ता उसकी आवष्यकता और उसके महत्व को भी दर्षाता है। बदलते वैष्विक परिदृष्य में ाान आधारित अर्थ व्यवस्था मं आवष्यकताओं की पूर्तिकरना ।

- षिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देना ।
- भारतीय षिक्षण व्यवस्था को वैष्विक स्तर तक पहुचाने तथा षिक्षा के वैष्विक मानको को अपनाना वर्ष 2030 तक सकल नामांकन अनुपात को 100 प्रतिषत करना
- शिक्षा क्षेत्र पर ळण्क्एच्च का 6 प्रतिषत हिस्से के सार्वजनिक व्यय का लक्ष्य रखा गया है।
- साक्षरता एवं संख्यात्मक के ज्ञान को बच्चों में विकसित करना ।
- बच्चों को भारतीयता से जोड़ना संस्कृति से जोड़ना जिससे विद्यार्थि संस्कृति का सम्मान कर सके ।
- प्रत्येक बच्चे की क्षमता की पहचान कर क्षमता का विकास करना
- भारत को वैष्विक ज्ञान महाषक्ति बनाना ।
- पूर्व विद्यालय से माध्यमिक विद्यालय तक षिक्षा का सार्व भौमीकरण करना । जीवन में षिक्षा के महत्त्व को देखते हुए किषोर विद्यार्थियों हेतु गुणवतापूर्ण षिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देष्यों को ध्यान रखते हुए रा.षि.नी. का प्रारूप निर्धारित किया गया । भारत मं षिक्षा का सार्वभौमि करण का षिक्षा की गणुवत्ता क स्तर का उच्च करना है सम्पूर्ण भारत में किषोर विद्यार्थियों में षिक्षा का उचित स्तर प्रदान करना है जिससे शैक्षिक

क्षेत्र की गुणवत्ता को उच्च कर सके । भारत में बच्चों की तकनीकी तथा रचनात्मक के साथ षिक्षा की गुणवत्ता के महत्व से अवगत करना है जिससे किषोर विद्यार्थियों में रचनात्मक सांच तार्किक निर्माण और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है।

- किषार विद्यार्थियों की क्षमता की पहचान एवं क्षमता का विकास करना ।
- साक्षरता व संख्यात्मकता के ज्ञान को बच्चों के अंतर्गत विकसित करना ।
- एक सार्वजनिक षिक्षा प्रणाली में निवेष
- गुणवत्ता पूर्ण षिक्षा को विकसित करना बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ना
- उत्कृष्ट स्तर पर शोध करना
- मूल्यांकन पर जोर देना
- विभिन्न प्रकार की भाषाएँ सिखाना
- कि षिक्षा नीति की पारदर्षी बनाना । नई षिक्षा नीति के तहत 2030 तक शैक्षिक प्रणाली को निष्चित किया गया है और वर्तमान में चल रही 10+2 के मॉडल के स्थान पर पाठयक्रम में 5+3+3+4 की शैक्षिक विद्यार्थियों के हित व विकास को ध्यान में रखते हुए विभाजित किया गया हो नई षिक्षा नीति ;छम्द्ध में षिक्षा की पुरानी पद्धति त्मंक जव समंतद में परिवर्तन करके समंतद जव त्मंक की नीति पर खास जोर दिया गया हैं इस षिक्षा के अंतर्गत छात्रों को विषयों को चुनने को लेकर स्वतंत्रता दी गई है छात्र विज्ञान के विषयों के साथ–साथ आटर्स या कॉमर्स के विषयों को भी एक साथ पढ. सकते हो । इसके द्वारा शैक्षिक क्षेत्र में तकनीकी का `बढ़ावा दिया जा रहा है । छात्रों को जिस क्षेत्र मं` अधिक रूचि है जैसे–खेल कला, बॉक्सिंग आदि मं` छात्रों को बढ़ावा दिया जायेगा छात्रो पर पढ़ाई का बोझ कम करने तथा पढ़ाई को आसान बनाने के लिए आर्टिफिषियल इंटेलिजेंस सॉफ्वेयर का इस्तेमाल शैक्षिक पाठ्यक्रम में किया जाएगा । साथ–ही साथ किषोर विद्यार्थियों के लिए कक्षा 9 से 12 वी कक्षा तक परीक्षाएँ सेमसे- टर के आधार पर होगी साल में दा`सेमेस्टर होगों । और इन छात्रों में 4 वर्ष में किसी विषय के प्रति समझ पैदा की जाएगी और उनके सोचने की क्षमता को बढ़ाया जाएगा संगीत खेल योग आदि को मुख्य पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है इसमें षिक्षकों के प्रषिक्षण पर विषेष ध्यान दिया गया ।

अध्ययन का निष्कर्षः– प्रस्तुत शोध अध्ययन के परिणाम अध्यापकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगें यह सर्वविदित है कि वर्तमान में नयी रा.षि.नी. 2020 अध्यापकों के लिए लाभदायक होगी । षिक्षक अधिगम प्रक्रिया के त्रिभुजीय सिद्धात के अनुसार षिक्षण अधिगम में एक आधार तत्व षिक्षण भी होता है जिसके ऊपर षिक्षा का ऐसा दायित्व है जो उसके अन्दर की कई योग्यताओं की संभावित होने की आंकाक्षा रखता है। जिसकी सहायता से वह विद्यालय में षिक्षण अधिगम का उचित वातावरण तैयार कर सके और षिक्षण के वांछित उद्देष्यों को प्रापत कर सके ।

1- प्रस्तुत अध्ययन के शैक्षिक निहतार्थ निम्नलिखित हैं यह शोध अध्ययन मा. स्तर से ही बच्चों के सर्वांगिण विकास पर विषेष बल देता है ।

2- शैक्षिक पाठ्य क्रम में नए कौषलों को समाहित किया जाना ।

3- यह शोध कार्य मा. व उच्च मा. स्तर के विद्यालय में कार्यरत षिक्षकों को उनके कर्त्तव्य तथा दायित्वों के प्रति जागरूकता बनाने में सहायता करेगा ।

4- यह शेध अध्ययन षिक्षाविदों एवं वर्तमान सरकार को मा. षिक्षा की स्थिति से अवगत कराने में तथा भविष्य में नए कदम व योजनाओं को साकार करने में सहायता प्रदान करेगा ।

निष्कर्ष :–

'नई रा.षि.नीति 2020' एक अच्छी नीति है क्योंकि इसका उद्देष्य षिक्षा प्रणाली का समग्र, लचीला व बहु विषयक बनाना है। यह नीति कई मामलों में आदर्ष होती है, लेकिन किसी भी चीज के सपने देखने से काम नही चलगे ा । जितनी जल्दी छम्द के उद्देष्य प्राप्त होगे उतनी ही जल्दी हमारा राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर होगा ।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1- https://hindi. nvshq org

2- https://prmmodiyojana.in

3- राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020,

4- भारतीय षिक्षा की नई दिषा के.के. वषिष्ट, डी.डी. एल. शर्मा